

प्रेषक

पी0सी0शर्मा,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक, उद्योग  
राजकीय मुद्रणालय,  
रुडकी हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 20 फरवरी 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु आयोजनेत्तर पक्ष अन्तर्गत अनुपूरक माँग द्वारा धनराशि स्वीकृत के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:444/लेखा/बजट/2008-09 दिनांक 02 फरवरी 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु प्रथम अनुपूरक माँग द्वारा आयोजनेत्तर पक्ष अन्तर्गत निम्न विवरणानुसार अनुपूरक माँग अन्तर्गत प्राविधानित कुल रु0 25000 लाख (रु0 दो करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि का व्यय करने हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(हजार रु0 में)

क्र0सं0	मानक मद	धनराशि
1	01-वेतन	18000
2	03-मंहगाई भत्ता	7000
	योग-	25000

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी0एम0-8 प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा0 मुख्य मंत्री/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों हेतु धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च 2009 तक अनिवार्य रूप से कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण, 00-आयोजनोत्तर, 001-निर्देशन एवं प्रशासन, 03-राजकीय मुद्रणालय, रुडकी अधिष्ठान, 00 के प्रस्तर-1 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:668/XXVII(1)/2009 दिनांक 12 फरवरी 2009, में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी0सी0शर्मा)  
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 154/VII-II-09/06-रा0मु0/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, रुडकी हरिद्वार।
5. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
- B. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(पी0सी0शर्मा)  
प्रमुख सचिव।